शोर व वातावरण के दूषित होने के बारे में प्रस्ताव

स्वस्थ जीवन के लिए एक साफ़ सुथरे वातावरण की ज़रूरत है लेकिन आधुनिक टैकनालोजी के कारण जहां बहुत से लाभ प्राप्त हुए हैं, वहीं बहुत सी ऐसी चीज़ें भी वजूद में आ रही हैं जिनसे स्वास्थ्य और जीवन को ख़तरों का सामना है इस लिए प्राकृतिक और स्वभाविक वातावरण की सुरक्षा के लिए निम्न लिखित प्रस्ताव स्वीकार किए जाते हैं।

1-तमाम ज़रूरतों में यथा संभव कम प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन का इस्तेमाल किया जाए और समर्थ व प्रयत्न के बावजूद.ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन के इस्तेमाल से बचा जाए।

2- गडियों में ऐसे ईंधन के इस्तेमाल को वरीयता दी जाए जिससे कम से कम प्रदूषण पैदा होता हो और यदि इस संबंध में सरकार की ओर से निर्देश मौजूद हों तो उनकी पाबन्दी की जाए।

3-रौशनी और अन्य उद्देश्यों के लिए जिन साधनों का इस्तेमाल किया जाता है जैसे जनरेटर आदि, इनमें भी कम से कम प्रदूषण पैदा करने वाले ईंधन का इस्तेमाल किया जाए और यदि सरकारी निर्देश इस बारे में मौजूद हों तो उनका ध्यान रखा जाए।

4- जिन क्षेत्रों में सौर ऊर्जा की प्राप्ती आसान और हितकारी हो वहां उस का इस्तेमाल बेहतर है।

5-कारखानों और फैकटरियों के प्रदूषण पर क़ाबू पाने के लिए सरकार की ज़िम्मेदारी है कि उसके लिए उचित सुविधाएं उपलब्ध करे।

6- जानवर के इस्तेमाल न किए जाने वाले अंगों व अंशों के सिलसिले में ऐसे क़दम उठाए जाएं जिनसे दुर्गंध और वातावरण में प्रदूषण पैदा न हो।

7- बिना ज़रूरत प्लास्टिक की थैलियों के इस्तेमाल से बचा जाए और उसके वैकल्पिक साधनों के इस्तेमाल को वरीयता दी जाए।

8- तम्बाकू और उससे बनी चीज़ों के इस्तेमाल से बचा जाए, मुख्य रूप से सार्वजनिक स्थानों पर इसका इस्तेमाल न किया जाए।

9- सार्वजनिक स्थानों पर पेशाब पाखाना करना जायज़ नहीं है। इसी तरह यथा संभव खुली नालियों में पाखाना बहाने से भी बचा जाए।

10- सार्वजनिक स्थानों पर थूकना मकरूह और अप्रिय है और यदि सरकार की ओर से इस बारे में निर्देश हों तो उनकी पाबन्दी करनी चाहिए।

11- किरणें बाहर निकालने वाले इलैक्ट्रानिक सयंत्रों (फ्रिज, वाशिंग मशीन, मोबाइल, ऐ सी आदि) के ज़रूरत से.ज्यादा इस्तेमाल से बचा जाए।

12- इस्लाम में पेड लगाने का बडा भारी महत्व है इस लिए बिना ज़रूरत जंगलात और हरे पेडों को काटने से बचा जाए।